inind



द्धसाधार**ण**

EXTRAORDINARY

भाग II--खण्ड 3---उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i) प्राविकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19]

नई बिल्ली, मंगलवार, जनवरी 28, 1975/माघ 8, 1896

No. 191

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 28, 1975/MAGHA 8, 1896

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में एका जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th January 1975

G.S.R. 20(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), the Central Government, after consultation with the Governments of the States, hereby makes the following rules further to amend the All India Services (Dearness Allowance) Rules, 1972, namely:—

- 1. (1) These rules may be called the All India Services (Dearness Allowance) Amendment Rules, 1975.
 - (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- 2. In the All India Services (Dearness Allowance) Rules, 1972, for rule 3, the following rule shall be substituted, namely:—
 - "3. Regulation of dearness allowance.—Every member of the Service and every officer, whose initial pay is fixed in accordance with sub-rule (5), or sub-rule (6-A), of rule 4 of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954 or sub-rule (6) of rule 4 of the Indian Police Service (Pay) Rules, 1954 or sub-rule (6) of rule 4 of the Indian Forest Service (Pay) Rules, 1968, shall be entitled to draw dearness allowance at such rates, and subject to such conditions. as may be specified by the Central Government, from time to time, in respect of the officers of Central Civil Services. Class 1".

[No. 22/1/74-AIS(II)]

S. HABEEBULLAH, Under Secy.

मंत्रिसण्डल र चिवालय

(कार्मिक स्रोर प्रशासनिक सुभार विभाग)

ग्रधिसूचना -

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1975

सा० का० नि० 20 (श्र).—श्रिष्विल भारतीय सेवा श्रिष्ठिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार राज्य सरकारों से परामर्श करने के पश्चात, ग्रिष्विल भारतीय सेवा (महंगाई भत्ता) नियम, 1972 में श्रीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है श्रर्थात् :---

- 1. (1) इन नियमों का नाम अखिल भारतीय सेवा (महंगाई भत्ता) संशोधन नियम, 1975 है।
 - (2) ये राजपव में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- 2. श्रिखल भारतीय सेवा (महंगाई भत्ता) नियम 1972 में नियम 3 के स्थान पर निम्नलिखत नियम रखा जाएगा श्रर्थात् :--
- "3. महंगाई भत्ते का विनियमन सेवा का प्रत्येक सदस्य श्रीर प्रत्येक ग्रिधकारी; जिसका श्रारम्भिक वेतन भारतीय प्रशासनिक सेवा (वेतन) नियम, 1954 के नियम 4 के उप नियम (5) या उप-नियम (6-क) या भारतीय पुलिस सेवा (वेतन) नियम, 1954 के नियम 4 के उप-नियम (5) या भारतीय वन सेवा (वेतन) नियम, 1968 के नियम 4 के उप नियम (6) के श्रनुसार नियत किया गया है, ऐसी दरों पर श्रीर ऐसी शर्तों के श्रधीन महंगाई भंता लेने का हकदार होगा, जो केन्द्रीय सिविल सेवा वर्ग । के श्रधिकारियों की बाबत समय सभय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं।"

[सं० 22/1/74-म्र०भा०से० (II)]

एस० हर्वाबुल्लाह, अवर सचिव ।